Regarding upgrading railway facilities including revamping of Korba Railway station, restoring Korba-Gevra Train and running new trains in various routes

श्रीमती ज्योत्स्ना चरणदास महंत **(कोरबा) :** सभापति महोदया, दक्षिण-पूर्व मध्य रेलवे के अंतर्गत आने वाला कोरबा (छतीसगढ़) रेलवे को सर्वाधिक राजस्व देते आया है और दे रहा है, लेकिन यात्री सुविधाओं के मामले में कोरबा संसदीय क्षेत्र को उपेक्षित रखा गया है । कोरबा से चलने वाली वाली ट्रेन्स की लेट-लतीफी और उनके रद्द होने से यहां के यात्री बेहद परेशान हैं । कोरबा से लंबी दूरी के यात्री ट्रेन्स को चलाने के लिए माननीय रेल मंत्री जी को मैंने कई बार पत्र भी लिखा है । अब मैं आपके माध्यम से उनके संज्ञान में लाना चाहती हूं । इसके बावजूद कोरबा यात्री सुविधाओं को लेकर अपने-आप को ठगा महसूस कर रहा है । कोरबा रेलवे स्टेशन का उन्नयन कार्य में प्रगति लाने के साथ-साथ कोरबा पश्चिम क्षेत्र को जोड़ने वाली गेवरा रेलवे स्टेशन में यात्री ट्रेन व सुविधा शून्य के समान है ।

महोदया, मैं आपके माध्यम से रेल मंत्री जी से रिक्वेस्ट करती हूं कि कोरबा-गेवरा रोड यात्री ट्रेन पुन: परिचालित की जाए । कोरबा स्टेशन में पिट लाइन चालू किया जाए । मैं कुछ नई ट्रेन्स के बारे में बता रही हूं । बीकानेर-कोरबा-बीकानेर, खाटू श्यामजी एक्सप्रेस वाया चुरू, फतेहपुर शेखावटी, रींगस, जयपुर कोटा, कटनी एवं बिलासपुर पर ठोस कार्रवाई करें । कोरबा-राउरकेला-कोरबा इंटरसिटी एक्सप्रेस वाया चांपा बाईपास और कोरबा से रायगढ़ रूट पर ट्रेन चलाई जाए । तिरुपति-बिलासपुर-तिरुपति का विस्तार कोरबा तक किया जाए, क्योंकि यह ट्रेन बिलासपुर में 32 घंट तक रूकी रहती है । छतीसगढ़ एक्सप्रेस को गेवरा रोड/कोरबा तक विस्तार किया जाए ।

कोरबा संसदीय क्षेत्र के रेलवे स्टेशनों में सुविधा बढ़ाने को लेकर बार-बार अवगत कराने के बाद भी इस ओर ध्यान नहीं दिया जा रहा है । कोरबा संसदीय क्षेत्र का दूसरा हिस्सा एमसीबी जिले में भी यात्री सुविधाओं को लेकर ज्ञापन सौंपे गए हैं, जिनमें प्रमुख हैं-

अंबिकापुर से दिल्ली तक सप्ताह में एक दिन ट्रेन चलाई जाती है, जिसे कम से कम दो या तीन दिन चलाया जाए ।

रायपुर-अंबिकापुर ट्रेन का स्टॉपेज बढ़ाने के लिए और इस ट्रेन को रात्रि के साथ-साथ सुबह भी चलायी जाए । यह वहां की जनता की मांग है ।

अंबिकापुर-दुर्ग यात्री ट्रेन को नागपुर तक चलाने जाने की मांग है, जो नितांत आवश्यक है ।

बहुरीडांड जंक्शन से अंबिकापुर तक डबल लाइन के कार्य को स्वीकृति प्रदान की जाए, जो बहुत ही जरूरी है । धन्यवाद ।